देश में चिप प्लांट लगाना चाहती हैं जापानी कंपनियां

जापान सेमीकंडक्टर तंत्र के विकास के लिए भारत से समझौता करने वाला दूसरा 'क्वाड' साझेदार

नई दिल्ली। जापान की कंपनियां भारत में सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने को इच्छुक हैं। उनके पास घरेलू कंपनियों के साथ साझेदारी करने के लिए सभी प्रकार की विशेषज्ञता भी है। वित्तीय परामर्श कंपनी डेलॉय ने कहा, भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र की वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए कुशल कार्यबल, फंड और समर्थन देने वाले उपायों की निरंतरता महत्वपूर्ण है। डेलॉय जापान के एसआरटी लीडर शिंगो कामया ने कहा, जापान की कंपनियां भारत को लेकर काफी उत्साहित हैं। जापान सेमीकंडक्टर तंत्र के संयुक्त विकास और अपनी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती को बनाए रखने के लिए भारत के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला अमेरिका के बाद दूसरा 'क्वाड' साझेदार है। जापान ने इस समझौते पर जुलाई में हस्ताक्षर किए थे। एजेंसी

सरकारी प्रोत्साहन से क्षेत्र का विकास

डेलॉय इंडिया के अध्यक्ष (रणनीति, जोखिम एवं लेनदेन) रेंहित बेरी ने कहा, सतत आधार पर सरकारी प्रोत्साहन कार्यक्रम भी भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास के लिए एक प्रमुख कारक होगा। जापानी कंपनियां राज्यों से किसी विशेष मदद की उम्मीद कर रही हैं...इस सवाल के जवाब में बेरी ने कहा, केंद्र व राज्यों की साझेदारी के साथ निजी और जापानी भागीदारी का एक साथ आना क्षेत्र के विकास में सहायक होगा।

- ***दोनों देशों की कई पीढ़ियों को होगा लाभ :*** *बेरी ने कहा, भारत में सेमीकंडक्टर की कहानी सिर्फ एक प्लांट लगाने की नहीं है, बल्कि पूरे परिवेश की कहानी है। इससे हमारी व जापान की आने वाली कई पीढ़ियों को लाभ होगा।*

जापान का साथ हमारे लिए इसलिए महत्वपूर्ण

- सेमीकंडक्टर तंत्र के मामले में जापान दुनिया के शीर्ष-5 देशों में शामिल है, जहां करीब 100 सेमीकंडक्टर विनिर्माण प्लांट हैं।
- जापान में ऐसी कंपनियां हैं, जो सेमीकंडक्टर वेफर्स, रसायन और चिप निर्माण उपकरण में इस्तेमाल लेंस व डिस्प्ले प्रौद्योगिकियों के मामले में दुनियाभर में अग्रणी हैं।
- भारत की 10 वर्षों में 10 सेमीकंडक्टर विनिर्माण प्लांट स्थापित करने की योजना है।